

बंसी वाले बतला

बंसी वाले बतला तेरा कहा ठिकाना है,
किस राह पे चलना है किस राह पे जाना है,

कहते हैं द्रौपदी का तूने चीर बढाया था,
बन सारथि अर्जुन का रथ तूने चलाया था,
आ फिर से धरती पर तूने पाप मिटाना है,
बंसी वाले बतला....

इन नयन बरसते में कब आएगा बतला दे,
बिन प्राणों के ये काया कैसे रहे समझा दे,
हम भक्तों का टुटा हुआ विश्वास जगाना है,
बंसी वाले बतला

सब ढूँढते हैं तुझको तू आता नज़र ही नहीं,
अपने भक्तों की कभी तू लेता खबर ही नहीं,
एक बार तो सुन जा तुझे हाले दिल सुनाना है,
बंसी वाले बतला.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3400/title/bansi-vale-batla-tera-kaha-thikana-hai-kis-rah-pe-chalna-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |